



DHANU SANKRANTI || धनु संक्रांति के दिन जरूर करें ये काम ||

Dhanu Sankranti

Dhanu Sankranti शनिवार 16 दिसंबर 2023 को है। धनु संक्रांति के दिन महा पुण्य काल शाम 4:09 से 5:59 तक है।

सनातन धर्म में संक्रांति की तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन, सैकड़ों श्रद्धालु धार्मिक स्नान और पूजा के लिए पवित्र नदियों के तट पर इकट्ठा होते हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस वर्ष धनु संक्रांति (Dhanu Sankranti) पौष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को है। देश के कई हिस्सों में संक्रांति को एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। आपको बता दें कि जब सूर्य देव एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं तो इसे संक्रांति कहा जाता है।

संक्रांति पर नदियों में स्नान का है विशेष महत्व

ज्योतिषियों का मानना है कि इस दिन तीर्थ स्थलों या पवित्र नदियों में स्नान करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। धार्मिक ग्रंथों में इस दिन भगवान सूर्य के साथ-साथ भोलेनाथ और भगवान विष्णु की भी पूजा करने की परंपरा है। उस दिन तर्पण भी किया जाता है कहा जाता है कि इस दिन पितरों को तर्पण करने से शांति और आशीर्वाद मिलता है। इससे बच्चों का कष्ट कम हो जाता है।

क्या दान करें

वैसे तो हर तरह का दान पुण्यफलदायी है, लेकिन धनु संक्रांति (Dhanu Sankranti) के दिन जितना हो सके जरूरतमंदों को दान करना चाहिए। लेकिन पुरोहितों का कहना है कि गोदान विशेषकर सूर्योपासना पर्व के दिन ही करना चाहिए। रोजमर्रा की परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए आप यह भी उपाय चुन सकते हैं- इस दिन गाय को चारा खिलाएं। इस दिन गाय को चारा खिलाना पुण्यफलदायी है।

धनु संक्रांति पूजा

पुजारियों के अनुसार सूर्य संक्रांति पूजा के दिन अनुशासन और पवित्रता की आवश्यकता होती है। इस दिन सुबह जल्दी उठना चाहिए, स्नान ध्यान करना चाहिए और उगते सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए और साथ ही व्रत और सूर्य नारायण की पूजा करनी चाहिए। आदित्य हृदय स्तोत्र का तीन बार पाठ करना चाहिए। इसके बाद दोपहर के समय पितरों को तर्पण देना चाहिए। बाद में जरूरतमंदों को दान करें और गाय को चारा खिलाएं। इस दिन भोजन से नमक को बाहर कर देना चाहिए।

धनु संक्रांति (Dhanu Sankranti) पूजा विधि

- संक्रांति के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए और स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से सूर्य देव की पूजा करनी चाहिए। कृपया उन्हें भी अर्घ्यका सुझाव दें।
- इस दिन पवित्र जलधारा में स्नान का विशेष महत्व है। यदि यह संभव न हो तो नहाते समय पानी में गंगाजल मिला लें।
- संक्रांति के दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इसलिए याद रखें कि इस दिन उन्हें गंध, फूल, धूप, दीप आदि अर्पित करना चाहिए और श्रीहरि की पूजा में तुलसी के पत्तों का उपयोग करना चाहिए।
- भगवान विष्णु की पूजा के बाद देवी लक्ष्मी, महादेव और ब्रह्मा की भी पूजा की जाती है और आरती की जाती है।
- इसके बाद इस दिन भगवान सूर्य को मीठे चावल का भोग लगाया जाता है और प्रसाद के रूप में परिवार में वितरित किया जाता है।

धनु संक्रांति (Dhanu Sankranti) के दिन जरूर करें ये काम

- इस दिन अनाज का दान करना बहुत शुभ होता है।
- धनु संक्रांति (Dhanu Sankranti) के दिन पितृ पूजा भी की जाती है।
- इस दिन सबसे जरूरी गतिविधियों में दान कर्म, पवित्र स्नान और पितृ तर्पण है।
- इस दिन सूर्य देव को हवन के रूप में जल और फूल चढ़ाने की परंपरा है।

Read More religious content on

vedicprayers.com